माता

ब्रह्मचारिणी

आरती

माता ब्रह्माम्चारिणी आरती

॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥

जय अम्बे ब्रह्माचारिणी माता।

जय चतुरान प्रिय सुख द्र।

ब्रह्मा जी के मन भाती हो।

ज्ञान को सभी को सिखलाती हो।

ब्रह्मा मंत्र है जाप बुध।

शब्द जपे सकल संसार।

जय गायत्री वेद की माता।

जो मन निस दिन परम ध्याता।

कोई कमी नहीं पाई।

कोई भी दुःख सहने न पाए।

उसकी विरति रहे ठिकाने।

जो तेरी महिमा को जाने।

रुद्राक्ष की माला ले कर।

जपे जो मंत्र श्रद्धा दे कर।

अलस छोड़ दें गुणगाना।

मां तुम उसे सुखना।

ब्रह्मचारिणी तेरो नाम।

फुल करो सब मेरे काम।

भक्तों के चरणों का पुजारी।

रखना लाज मेरी महतारी।

माता ब्रह्मचारिणी वैदिक मंत्र

साधना कर पद्माभ्यामक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥